an>

Title: Need to establish more number of colleges under Delhi University.

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा (पश्चिमी दिल्ली) : महोदया, इस साल दिल्ली यूनिवर्सिटी में लगभग तीन लाख बच्चों ने एडमिशन के लिए अप्लायी किया, उनमें से केवल पचास हजार बच्चों को ही एडमिशन मिल पाया। आपको और पूरे सदन को सुनकर बहुत हैरानी होगी कि पिछले 17 सालों में दिल्ली में कोई भी नया सरकारी कॉलेज नहीं बना है। दिल्ली में जो वर्तमान सरकार है, उसने भी वायदा किया था कि हम बीस नये कॉलेज बनाएंगे, लेकिन अभी तक किसी भी नये कॉलेज की कहीं कोई योजना नहीं है। 90 परसेंट नंबर लाने वाले बच्चों को भी सरकारी कॉलेज में एडमिशन नहीं मिल रहा है। कुछ कॉलेजिस में कट-ऑफ परसेंटेज 99 परसेंट तक पहुंच गयी है। बच्चों के ऊपर इसका इतना ज्यादा दबाव है कि बच्चे डिप्रेशन में जा रहे हैं, बच्चे सुसाइड कर रहे हैं। दिल्ली में नये कॉलेज नहीं बन रहे हैं, क्योंकि दिल्ली सरकार की कमी के कारण यह हो रहा है। दिल्ली में नये कालेज तब बनेंगे, जब उनके लिए जमीन उपलब्ध होगी। दिल्ली के गांवों में ग्राम सभा की जमीन है, लेकिन उसकी मालिक दिल्ली सरकार है। मैंने दिल्ली सरकार और डी.डी.ए. को पत्र लिखा, दिल्ली यूनिवर्सिटी ने दिल्ली सरकार को लिखा, मगर दिल्ली सरकार ने किसी भी नये कालेज के लिए अभी तक जमीन नहीं दी। मेरी एच.आर.डी. मिनिस्टर से प्रार्थना है कि वह दिल्ली सरकार से बात करे, ताकि जैसे हमारा दिल्ली यूनिवर्सिटी का नार्थ कैम्पस और साउथ कैम्पस है, वैसे ही मेरे लोक सभा क्षेत्र में एक वैस्ट कैम्पस बने। उसके लिए नजफगढ़, द्वारका, उजवा, घुम्मनहेड़ा आदि इन सब गांवों में ग्राम सभा की जमीन है, मगर दिल्ली सरकार कोई भी जमीन देने के लिए तैयार नहीं है।

महोदया, मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि अगर दिल्ली में नये कालेज खुलेंगे तो बच्चों को इसका बहुत फायदा मिलेगा। इसके अलावा किसी भी कालेज में ईवनिंग कालेज नहीं चलता है। दिल्ली में 90 कालेज हैं, अगर इन सभी कालेज में ईवनिंग कालेज चला दिये जाएं तो इतने ही और बच्चों को एडमिशंस मिल जायेंगे। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री शरद त्रिपाठी, कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, तथा श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।